कार्तिक कृष्ण पक्ष

1 नवम्बर से 15 नवम्बर 2020

ऋतु हेमन्त
सूर्य दक्षिणायन

तिथि	दिनांक	सूर्योदय	सूर्यास्त
प्रतिपदा	01.11.20	6.37	17.33
अष्टमी	09.11.20	6.43	17.27
अमावस्या	15.11.20	6.48	17.24

तिथि	वार	नक्षत्र	दिनांक	चन्द्र संचार	व्रत पर्व त्योहार
प्रतिपदा	रवि	भरणी	01.11.20	वृष 27.39	कृषक भूमि पूजा
द्वितीया	सोम	कृत्तिका	02.11.20	वृष	सर्वार्थ सिद्धि योग 23.49 से 30.38 तक
तृतीया	मंगल	रोहिणी	03.11.20	वृष	रोहिणी व्रत
चतुर्थी	बुध	मृगशिरा	04.11.20	मि. 15.39	करवा चौथ व्रत, सर्वार्थ सिद्धि योग 06.39 से 28.50 तक
पंचमी	गुरू	आर्द्रा	05.11.20	मिथुन	–
षष्ठी	शुक्र	आर्द्रा	06.11.20	कर्क 25.44	सर्वार्थ सिद्धि योग 06.44 से 30.41 तक
षष्ठी	शनि	पुनर्वसु	07.11.20	कर्क	षष्ठी तिथि की वृद्धि
सप्तमी	रवि	पुष्य	08.11.20	कर्क	अहोई अष्टमी व्रत, कालाष्टमी, सर्वार्थ सिद्धि योग 06.42 से 06.44 तक
अष्ट./नव.	सोम	आश्लेषा	09.11.20	सिंह 8.41	नवमी तिथि का क्षय
दशमी	मंगल	मघा/पूर्वा	10.11.20	सिंह	–
एकादशी	बुध	उत्तराफा.	11.11.20	कन्या 11.56	रमा एकादशी व्रत सर्वार्थ सिद्धि योग 28.24 से 30.45 तक
द्वादशी	गुरू	हस्त	12.11.20	कन्या	गोवत्स द्वादशी, धनतेरस
त्रयोदशी	शुक्र	चित्रा	13.11.20	तुला 12.29	प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि, नरक चौदस, यम तर्पण, स्वामी राम तीर्थ जयंती, हनुमान जयंती, दीप दान
चतुर्दशी	शनि	स्वाती	14.11.20	तुला	दीपावली, श्री महालक्ष्मी पूजन, कमला जयंती, पितृकार्य अमावस्या, सर्वार्थ सिद्धि योग 06.47 से 20.08 तक
अमावस्या	रवि	विशाखा	15.11.20	वृश्चि. 11.58	अमावस्या पुण्य, अन्नकुट, गोवर्धन पूजा, बलि पूजा महावीर स्वामी निर्वाण दिवस

दीपावली : इस वर्ष विक्रम संवत् 2077 (2020-21) शनिवार 14 नवम्बर 2020 (चतुर्दशी) में अमावस्या दोपहर 2.17 से रविवार 15 नवम्बर प्रातः 10.36 तक विद्यमान रहेगी। अतः **दीपावली का पर्व शनिवार 14 नवम्बर 2020** को मनाया जाएगा। घरों में महालक्ष्मी पूजन के लिए प्रदोष काल 17.25 से 20.08 (सायं 5.25 से 8.08 बजे तक) श्रेष्ठ माना गया है। इसी समय में वृष लग्न सायं 5.27 से रात्रि 7.23 तक रहेगी। रात्रि बेला में लाभ, उद्वेग, शुभ, अमृत और चार पांच चौघड़िया सायं 5.25 से रात्रि 1.47 तक रहेंगे। अतः लक्ष्मी पूजन के लिए सभी मुहूर्त शुभ रहेंगे।

(शेष अगले पृष्ठ पर)